



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 माघ 1941 (श०)

(सं० पटना 81) पटना, सोमवार, 3 फरवरी 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

1 मार्च 2019

सं० 2302—नालंदा जिलान्तर्गत बग्गा धर्मशाला, इस्लामपुर पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०— 4484 है।

इस न्यास की व्यवस्था हेतु न्यास समिति के गठन के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को एक आवेदन दिनांक 26/10/2016 को प्राप्त हुआ जिसमें आम जनता द्वारा चयनित सदस्यों का नाम एवं पता अंकित था। प्राप्त आवेदन के संबंध में पर्षदीय पत्रांक—2591, दिनांक 06/01/2017 द्वारा अंचलाधिकारी, इस्लामपुर, नालंदा से प्रतिवेदन की मांग की गयी। उपरोक्त पत्र के अनुपालन में अंचलाधिकारी, इस्लामपुर ने अपने पत्र सं०—784/अं०इ०स०, दिनांक 13/12/17 के द्वारा एक प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जिसमें प्रस्तावित सदस्यों के आचरण को उत्तम बताया गया। साथ ही न्यास समिति गठन की अनुशंसा भी की गयी। पुनः पर्षदीय पत्रांक— 720, दिनांक 13/09/18 द्वारा न्यास के वर्तमान स्थिति, प्रबंधन, चल-अचल सम्पत्ति, आय एवं निर्माण-काल के संबंध में अंचलाधिकारी से प्रतिवेदन की मांग की गयी, जिसके अनुपालन में अंचलाधिकारी, इस्लामपुर ने पत्र सं०—1029, दिनांक 26/12/18 द्वारा प्रतिवेदन पर्षद को उपलब्ध कराया। इसमें न्यास से संबंधित भूमि, आय तथा अन्य बिन्दुओं पर प्रतिवेदन दिया गया। प्रतिवेदन से यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि धर्मशाला के निर्माण हेतु भूमि सरदार हवेली सिंह बग्गा द्वारा दी गयी थी, जिसमें धर्मशाला के निर्माण किया गया था। वर्ष 1990 में आम जनता के आर्थिक सहयोग से धर्मशाला का जीर्णोद्धार किया गया। वर्तमान में धर्मशाला में 13 कमरे एवं 3 दुकानें हैं। इस धर्मशाला को आम जनता के द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु उपयोग की जाती है। इससे स्पष्ट है कि उक्त धर्मशाला एक सार्वजनिक धर्मशाला के रूप में स्थापित है और उसकी देख-रेख, मरम्मत आदि का कार्य आम जनता के सहयोग से किया जाता है।

उपरोक्त परिस्थिति में इसे सार्वजनिक धर्मशाला मानते हुए बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950, की धारा—32 के अन्तर्गत एक नवीन योजना का निरूपण तथा इसके संचालन के लिए न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, प्रशासक, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा—8 (क) सह पठित धारा—32 (1) एवं 81 (ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बग्गा धर्मशाला, इस्लामपुर,

जिला-नालंदा के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “बग्गा धर्मशाला न्यास योजना, इस्लामपुर, जिला-नालंदा” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “बग्गा धर्मशाला न्यास समिति, इस्लामपुर, जिला-नालंदा” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी। यह विवरणी मार्गदर्शिका के आलोक में देय होगा।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1) श्री उमेश प्रसाद पिता-स्व0 मिश्री लाल, राणा प्रताप नगर-9693294693	अध्यक्ष
(2) श्री अजय विश्वकर्मा पिता-स्व0 बदन मिस्त्री, सत्यारंगज-7541850402	सचिव
(3) श्री शंभू शरण प्रसाद पिता-स्व0 ब्रह्मदेव प्रसाद, हनुमानगंज-9801172143	कोषाध्यक्ष
(4) श्री रवि सिंह पिता-स्व0 जगदीश नन्दन सिंह, राणा प्रताप नगर-9934718717	सदस्य
(5) श्री शिवदानी पाण्डेय-स्व0 रामदेव महाराज, मुर्गियाचक-9934878916	सदस्य
(6) श्री सुरेश प्र0 केसरी पिता-स्व0 रामदास राम, हनुमानगंज-9798858455	सदस्य
(7) श्री अशोक कुमार सोनी पिता-भागो लाल, सत्यारंगज-9931643066	सदस्य
(8) श्री अनिल कुमार ‘अधिवक्ता’ पिता गुरु प्रसाद राय, राणा प्रताप नगर-9931069843	सदस्य
(9) श्री ओम प्रकाश पिता-स्व0 मिश्री लाल, तालाब पर- 9931013079	सदस्य
(10) श्री अजित कुमार केसरी स्व0 शिवलाल केसरी, पटेल नगर-9835217801	सदस्य
(11) श्री राजगोपाल प्र0 स्व0 बाबू लाल साह, गजासराय-9304110181	सदस्य

12. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर इसकी निरन्तरता कायम रहेगी। साथ ही न्यास समिति को यह भी निर्देश किया जाता है कि न्यास समिति के गठन के एक माह के अन्दर धर्मशाला से संबंधित आय-व्यय का विस्तृत ब्योरा तथा उसके चारों तरफ से की गयी फोटोग्राफी तथा उस धर्मशाला में स्थित दुकानों से होने वाली आय का भी विस्तृत विवरण दाखिल करें।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 81-571+10-डोटीपी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>